Need to frame a special policy for conservation of Aravalli region-Laid

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) **:** मैं वन और पर्यावरण मंत्री जी का ध्यान भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली के अस्तित्व को बचाने की मांग से अवगत करवाते हुए बताना चाहता हूँ कि दिल्ली-एनसीआर से लेकर राजस्थान के एक दर्जन से अधिक जिलों में फैली अरावली पर्वतमाला पर अतिक्रमण, शहरीकरण, अनाधिकृत विकासात्मक गतिविधियाँ और पर्यावरणीय उल्लंघन अरावली की पहाड़ियों में नाज़ुक पारिस्थितिकीय संतुलन को प्रभावित कर रहे हैं और अवैध खनन इसके अस्तित्व के लिए बड़ा खतरा बन चुका है ,राजस्थान राज्य में अरावली में बीते पाँच वर्षों में 27,000 से अधिक अवैध खनन, परिवहन व भंडारण के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से मात्र 13% मामलों में ही एफआईआर दर्ज की गई । इस अवधि में 244 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया है, लेकिन क्या इस जुर्माने से अरावली के अस्तित्व को बचाया जा सकेगा यह बड़ा सवाल सरकार की नीतियों पर है | एनजीटी द्वारा अरावली में खुदाई को जघन्य अपराध घोषित करने और पर्यावरण संरक्षण को लेकर सख्त दिशा-निर्देश देने के बावजूद सरकार खामोश है ,मेरी माँग है की केंद्र सरकार अरावली क्षेत्र के संरक्षण के लिए विशेष नीति लाए और राजस्थान तथा हरियाणा सरकार को भी इस सन्दर्भ मे निर्देशित करे ।

<image: image003.png>